



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting, Empowering, Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (FTA) हस्ताक्षरित: ईपीसीएच ने ऐतिहासिक समझौते का स्वागत किया, हस्तशिल्प निर्यात और वैश्विक व्यापार वृद्धि के नए अवसर खुलेंगे

नई दिल्ली, 28 अप्रैल 2026 – भारत और न्यूज़ीलैंड ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर के उपरांत, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने व्यापार एवं उद्योग निकायों, संघों, चैंबरों तथा निर्यात संवर्धन परिषदों (EPCs) के साथ एक उच्च स्तरीय संवाद आयोजित किया। इस अवसर पर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स (EPCH) का प्रतिनिधित्व श्री आर. के. पासी, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रशासन समिति (CoA) के सदस्य; श्री वरुण शर्मा, सदस्य, CoA; तथा श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक द्वारा किया गया।

भारत-न्यूज़ीलैंड FTA द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारतीय निर्यात के लिए सभी टैरिफ लाइनों पर 100% शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है तथा निर्यात वृद्धि के व्यापक अवसर खोलता है। इस समझौते के अंतर्गत 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की परिकल्पना की गई है तथा भारतीय कुशल पेशेवरों एवं STEM स्नातकों के लिए प्रतिवर्ष 5,000 वीजा मार्गों की व्यवस्था की गई है, जिससे गतिशीलता एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। यह श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे हस्तशिल्प, वस्त्र एवं चमड़ा उद्योग को विशेष प्रोत्साहन प्रदान करेगा तथा वस्तुओं, सेवाओं एवं निवेश को समाहित करने वाले व्यापक ढांचे के माध्यम से ओशिनिया क्षेत्र एवं प्रशांत द्वीप बाजारों तक भारत की पहुंच को सुदृढ़ करेगा।

कार्यवाही का प्रारंभ एक बिज़नेस फोरम से हुआ, जिसमें भारत एवं न्यूज़ीलैंड दोनों ने समझौते के प्रमुख स्तंभों पर अपने विचार साझा किए। इस सत्र की सह-अध्यक्षता माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल तथा न्यूज़ीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री श्री टॉड मैक्ले ने की। इसके उपरांत माननीय मंत्री एवं EPCs के प्रतिनिधियों के बीच एक-से-एक संवाद आयोजित हुआ। इस दौरान EPCH ने ऊर्जा एवं गैस आपूर्ति की बाधाएं, रेट्रोस्पेक्टिव इमरजेंसी कॉम्प्लिक्ट सरचार्ज (ECS), MEIS स्क्रिप्ट मूल्यों में वास्तविक पात्रता के सापेक्ष विसंगतियां, TRACE योजना के अंतर्गत VRIKSH को शामिल करने की आवश्यकता, तथा ECGC प्रीमियम एवं अन्य मुद्दों पर समर्थन जैसे महत्वपूर्ण विषय उठाए।

इस ऐतिहासिक समझौते का स्वागत करते हुए, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने भारत-न्यूज़ीलैंड FTA को भारत की वैश्विक व्यापार यात्रा में एक निर्णायक उपलब्धि बताया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह समझौता निर्यात अवसरों को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा, रोजगार सृजन करेगा तथा ओशिनिया क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करेगा।

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा कि यह समझौता भारत के निर्यात विकास पथ में एक नए चरण का प्रतीक है, जो विशेष रूप से हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में उत्पादन विस्तार एवं रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करेगा।

ईपीसीएच में मुख्य मार्गदर्शक की भूमिका में महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने इस समझौते को भारत की वैश्विक व्यापार में एक महत्वपूर्ण छलांग बताया और कहा कि इससे भारत एक विश्वसनीय वैश्विक व्यापार भागीदार के रूप में और सुदृढ़ होगा, साथ ही भारतीय हस्तशिल्प की वैश्विक मांग में वृद्धि होगी।

समग्र रूप से, भारत-न्यूज़ीलैंड FTA से द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में उल्लेखनीय मजबूती आने की अपेक्षा है तथा यह विशेष रूप से हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए निर्यात-प्रेरित वृद्धि को गति देगा, जिससे वैश्विक मांग में वृद्धि और कारीगरों के आजीविका को समर्थन मिलेगा।

निर्यात संवर्धन परिषद (हस्तशिल्प) [EPCH] भारत से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने वाली नोडल संस्था है, जो देशभर के विविध शिल्प क्लस्टरों में कार्यरत लाखों कारीगरों एवं शिल्पकारों द्वारा निर्मित होम, लाइफस्टाइल, फर्नीचर तथा फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज़ के लिए "कुशल हाथों का जादू" की वैश्विक पहचान स्थापित करने हेतु कार्यरत है। वर्ष 2024-25 के दौरान न्यूज़ीलैंड को भारत का हस्तशिल्प निर्यात 8.56 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं, वर्ष 2024-25 में कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जैसा कि श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, EPCH द्वारा सूचित किया गया।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक – EPCH, मो.: +91-9810423612



EPCH
हस्तशिल्प नियति संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

India–New Zealand FTA Signed: EPCH Welcomes Landmark Pact Unlocking New Opportunities for Handicrafts Exports and Global Trade Growth

New Delhi, 28 April 2026 – India and New Zealand have signed a historic Free Trade Agreement (FTA) at Bharat Mandapam, New Delhi. Following the signing of the agreement, the Ministry of Commerce & Industry, Government of India, convened a high-level interaction with trade and industry bodies, associations, chambers, and Export Promotion Councils (EPCs). The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) was represented by Shri R. K. Passi, Former Chairman and Member, Committee of Administration (CoA); Shri Varun Sharma, Member, CoA; and Shri Rajesh Rawat, Executive Director.

The India–New Zealand FTA marks a significant milestone in strengthening bilateral trade relations, providing 100% duty-free access for Indian exports across tariff lines and unlocking substantial opportunities for export growth. The agreement envisages a USD 20 billion investment commitment and introduces 5,000 annual visa pathways for Indian skilled professionals and STEM graduates, thereby facilitating enhanced mobility and employment generation. It is expected to deliver a strong boost to labour-intensive sectors such as handicrafts, textiles, and leather, while also enhancing India's access to the Oceania region and Pacific Island markets through a comprehensive framework covering trade in goods, services, and investment.

The proceedings commenced with a Business Forum wherein both India and New Zealand shared their perspectives on key pillars of the agreement. The session was co-chaired by Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Shri Piyush Goyal, and Mr. Todd McClay, Minister of Trade & Investment, New Zealand. This was followed by one-to-one interactions between the Hon'ble Minister and representatives of EPCs. During the interaction, EPCH highlighted several key issues for consideration, including energy and gas supply constraints, retrospective Emergency Conflict Surcharge (ECS), discrepancies in MEIS scrip values vis-à-vis actual entitlements, inclusion of VRIKSH under the TRACE Scheme, and the need for support in ECGC premium and other issues.

Welcoming the landmark agreement, Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH, described the India–New Zealand FTA as a defining milestone in India's global trade journey. He congratulated Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi for this achievement and noted that the agreement would significantly enhance export opportunities, generate employment, and strengthen India's competitiveness in the Oceania region.

Mr. Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH, stated that the agreement marks a new phase in India's export growth trajectory, enabling scale expansion and creating employment opportunities, particularly in labour-intensive sectors such as handicrafts.

Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH, termed the agreement a significant leap in India's global trade and emphasised that it would further position India as a reliable global trade partner while boosting global demand for Indian handicrafts.

Overall, the India–New Zealand FTA is expected to significantly strengthen bilateral trade relations and provide a strong impetus to India's export-led growth, particularly benefiting the handicrafts sector by enhancing global demand and supporting artisan livelihoods.

The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) is the nodal organisation for the promotion of handicrafts exports from India and works towards creating a strong global brand image for the "magic of the gifted hands" of millions of artisans and craftspeople engaged in the production of home, lifestyle, furniture, and fashion jewellery & accessories across diverse craft clusters in the country. India's handicrafts exports to New Zealand during 2024–25 stood at USD 8.56 million. The overall handicrafts exports during the year 2024–25 amounted to Rs. 33,123 crores (USD 3,918 million), as informed by Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Shri Rajesh Rawat, Executive Director – EPCH +91-9810423612